

of passengers so that the rush in the trains may be curtailed; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): (a) Yes, Sir.

(b) Introduction of an additional train on Ghaziabad—Shahadara—Delhi section is not, at present, operationally feasible for want of spare line capacity on this section and also of terminal facilities at Delhi/New Delhi. Additional facilities have been planned and as these become available in Delhi areas, introduction of additional suburban services, including Delhi—Ghaziabad section, will be taken in hand.

Industries in the Private Sector

*823. **Shri U. M. Trivedi:** Will the Minister of Industry be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the industries in the private sector are suffering from paucity of funds, as bulk of financial resources are directed to the public sector; and

(b) if so, the steps Government propose to take to allow these industries to expand and augment their production?

The Minister of Industry (Shri D. Sanjivayya): (a) and (b). The shortage of resources reflects the inadequacy of savings in relation to investments contemplated in the private and in the public sectors. It would not be correct to say that the shortage of resources in the private sector is due to the diversion of the bulk of financial resources to the public sector. The expenditures by Central and State Governments are also being cut back in order to avoid deficit financing; and it is equally necessary to keep a strict control over credit expansion through the banking system. At the same time, within the limitations of resources available for investment, the

financial institutions which have been established in recent years to provide financial resources for private industry, will continue to assist in the expansion of capacity and production in priority industries.

Textile Policy

*824. **Shri D. J. Naik:**
Shri Chhotubhai Patel:
Shri Shivaji Rao S. Deshmukh:
Shri B. D. Deshmukh:
Shri Bibhuti Mishra:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether Government have finalised its Textile Policy for the year;

(b) if so, the requirements of raw cotton and what is the production of cotton; and

(c) what were the recommendations of the Textile Advisory Committee?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi):

(a) to (c). A statement is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-7004/66].

राजस्थानमें घग्घर नदी में आई बाढ़ के कारण क्षति

*825. श्री प० ला० बाबूपाल :
 श्री हुसम चन्द कछवाय :
 डा० लक्ष्मीमल्ल सिधवी :
 श्री दलजीत सिंह :
 श्री नि० रं० सास्कर :
 श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
 श्री युद्धवीर सिंह :
 श्री ज० रा० मेहता :

क्या रेसवे मंत्री यह बताने को कृपा करेंगे, कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले में घग्घर नदी में आई

बाढ़ से हर वर्ष रेलवे लाइन और अन्य सम्पत्ति को काफी क्षति पहुंचती है ;

(ख) यदि हां, तो इससे होने वाली क्षति का क्या व्यौरा है और इस बारे में गत पांच वर्षों में हर वर्ष रेलवे प्रशासन द्वारा कितना व्यय किया जाता है ;

(ग) क्या इस वर्ष भी रेलवे लाइन कई जगह से टूट गई है और यातायात पूर्णतः ठप्प हो गया है ;

(घ) हर वर्ष रेलवे प्रशासन को होने वाली हानि को रोकने के लिये क्या सरकार कोई स्थायी उपाय कर रही है ; और !

(ङ) यदि हां, तो योजना की मुख्य बातें क्या हैं ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) से (ङ). जब कभी घग्घर नदी में बाढ़ आती है, तो राजस्थान के श्री गंगानगर जिले में रेलवे लाइनों को क्षति पहुंचती है।

रेलवे लाइनों को क्षति इस रूप में होती है कि विभिन्न स्थानों पर पटरी के ऊपर पानी चढ़ जाने के कारण रेल-पथ टूट जाता है। पिछले पांच वर्षों में यातायात फिर से चालू करने के काम पर प्रति वर्ष जो खर्च हुआ, वह इस प्रकार है :—1961-62 में 1.61 लाख रुपये, 1962-63 में 2.61 लाख रुपये, 1963-64 में 1.82 लाख रुपये, 1964-65 में 2.85 लाख रुपये और 1965-66 में 1.07 लाख रुपये।

इस वर्ष भी हनुमानगढ़ और हनुमानगढ़ टाउन, सूरतगढ़ और रंगमहल, रंगमहल और पीलीबंगा, सूरतगढ़ और सरूपसर तथा सरूपसर और अनूपगढ़ के बीच रेल-पथ टट गया और पानी लाइन के ऊपर से बहने लगा।

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग के तत्वावधान में राजस्थान और पंजाब सरकारों घग्घर नदी के पानी को रेत के टीलों की ओर मोड़ने और ओट्टा जल-मंडार मुदूढ़ करके उसके दोनों ओर नहरें बनाने का प्रबन्ध कर रही हैं। ये काम किये जा रहे हैं। नदी के परिवर्तित मार्ग पर रेलवे को दो पुल बनाने हैं, जिनमें से एक पुल बन गया है और दूसरा काम के आगामी मौसम में बन कर तैयार हो जायेगा।

पंजाब में मुनाफाखोरों के विरुद्ध अभियान

* 826. श्री युद्धवीर सिंह :

श्री हुक्म चन्द कछवाय :

श्री काशीराम गुप्त :

श्री नम्बियार :

श्री सोलंकी :

श्री किशन पटनायक :

श्री दलजीत सिंह :

श्री साधूराम :

श्री हेम राज :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मुनाफाखोरी, जमाखोरी तथा मिलावट करने वाले व्यापारियों के विरुद्ध पंजाब के राज्यपाल द्वारा चलाये गये अभियान के अन्तर्गत अब तक कितने व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है ;

(ख) इसके परिणामस्वरूप कितनी माल बरामद किया गया है ;

(ग) क्या इस अभियान के अन्तर्गत अष्ट सरकारी कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है ?